आस-पास के उदाहरण से सीख लें विद्यार्थी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची और अटल बिहारी बाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस की ओर से बुधवार को लीडरशिप सिरीज-टू का आयोजन हुआ. इस वेबिनार में देश में बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी परियोजनाओं को लागू करने से युवा पेशेवरों के समक्ष तैयार हो रही चुनौतिपूर्ण परिस्थिति पर चर्चा की गयी. मुख्य वक्ता भारत सरकार के ग्लोबल टेक्नोक्रेट के पूर्व सचिव परमेश्वरण अय्यर थे. उन्होंने बताया कि स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना और उसे विभिन्न परिवेश में

लागू कराना एक नेतृत्वकर्ता के लिए चुनौतिपूर्ण था. जबकि, अपनी क्षमता से खुले में शौच को खत्म करने की प्रक्रिया पूरी दुनिया में सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम साबित हुआ. यही आगे चलकर स्वच्छता क्रांति बना, जिसे चीन और नाइजीरिया जैसे देशों ने अपनाया. **उन्होंने कहा कि** लोगों की पुरानी आदत वापस न आये इसपर लगातार नजर रखी गयी. बाथरूम का नाम बदलकर 'इज्जतघर' देने से पुरानी आदत को दूर रखने में मदद मिली. उन्होंने कहा कि भावी प्रबंधकों को नेतृत्व की क्षमता के विकास के लिए आस-पास के उदाहरणों से सीख लेने की सलाह दी. साथ ही अपनी पुस्तक 'मेथड इन द मैडनेस' पर चर्चा की. मौके पर आइआइएम रांची के निदेशक शैलेंद्र सिंह, प्रो आदित्य शंकर मिश्रा, प्रों गौरव मराठे, प्रो अंगशुमान हजारिका समेत अन्य मौजूद थे..

Prabhat Khabar, 01.07.2021, Pg. 09